भव्य निराला प्रेम

द्वारिका में रखा सुदामा ने, पहला कदम,
उसी पल हो गयी, आँखे कान्हा की नम,

कैसे दौड़े कन्हैया कुछ कहा नहीं जाये ,
बिना मिले मेरे शाम से अब रहा नहीं जाये ,
कान्हो को देख सुदामा, भूल गए गम ,

अपने हाथो से कान्हा छप्पन भोग खिलाये,
सब रनिया सेवा में , मिलके चवर हिलाये,
सेवा मै जितनी करू आज, उतनी है काम,

भोला भोला सुदमा अपनी पोटली छुपाये ,
अन्तर्यामी मेरे शाम से, कुछ चुप नहीं पाए ,
मेरे रहते तुमने सही प्यारे, इतने सितम,

ऐसा भव्य निराला प्रेम, आँखे भर आये ,
इससे आगे कुछ ललित से, कहा नहीं जाये,
जग से न्यारा है, ऐसा है ये प्रेम मिलन,

Source: https://www.bharattemples.com/bhavy-nirala-prem/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw